JV-16070101050200 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. V) (CBCS) Examination

October – 2019

Hindi : FND-7

(Lit. & Language Correction)

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए : १५

(१) जो उपकार का बदला उपकार से देता है ।

(२) मन में बंधी हुई गांठ ।

(३) जो मांस नहीं खाता ।

(४) जिसका मूल्य आंका न जा सके ।

(५) जिसकी कल्पना न हो सके ।

(६) कोमलांगिनी शब्द का शुद्ध रूप लिखिए ।

(७) इतिहासिक शब्द का शुद्ध रूप लिखिए ।

(८) परीस्थिती शब्द का शुद्ध रूप लिखिए ।

(९) अधोपतन शब्द का शुद्ध रूप लिखिए ।

(१०) आयुश शब्द का शुद्ध रूप लिखिए ।

(११) 'रिक्शा' शब्द किस भाषा का है ?

(१२) 'कबड्डी' शब्द किस भाषा का है ?

(१३) 'लीची' शब्द किस भाषा से हिन्दी में आया है ?

(१४) 'अलमारी' शब्द किस भाषा का है ?

(१५) 'श्रीखंड' शब्द किस भाषा का है ?

२ 'हिन्दी शब्द समूह' पर विस्तृत निबंध लिखिए । १५

अथवा

२ 'राष्ट्रीय एकता' में हिन्दी के योगदान पर प्रकाश डालिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : १५

(१) अनुवाद की उपयोगिता ।

(२) हिन्दी विषय शिक्षक के लिए आवेदन पत्र लिखें ।

(३) बर्तनी की अशुद्धियाँ ।

(४) ए.टी.एम. की सुविधा प्राप्त करने के लिए बैंक मेनेजर को पत्र लिखें ।

(५) नये पाठ्यक्रम की पुस्तकें मंगवाने के लिए 'राजकमल प्रकाशन' दिल्ली को पत्र लिखें ।

४ अनुवाद की परिभाषा देकर अनुवाद के प्रकारों पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

४ 'संक्षेपण' के गुणों की विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

५ निम्नांकित परिच्छेद का संक्षेपण कीजिए : १०

''किसी पाश्चात्य विद्वान का कथन है कि भारत एक विषमताओं का देश है । यहाँ अनेक भाषाओं, अनेक धर्म–सम्प्रदायों और अनेक जातियों तथा वर्णों के लोग एक साथ रहते हैं । इन सभी लोगों के रहन–सहन, आचर–विचार तथा खान–पान में थोड़ा–बहुत अन्तर है किन्तु भावात्मक दृष्टि से उनमें एक विलक्षण एकता है ।

यह सांस्कृतिक एकता की परंपरा बहुत पुरानी है । हिन्दूओं की तीर्थ यात्रा में भी राष्ट्रीय एकता की भावना निहित है । उत्तर में बदरी, केदार, दक्षिण में रामेश्वरम्, पूर्व में जगन्नाथ और पश्चिम में द्वारिकापुरी की तीर्थ यात्रा से चारों धाम की यात्रा सम्पन्न हो जाती है । प्राचीन काल से लेकर आज तक अयोध्या, मथुरा, काशी, कांची, अवन्तिकापुरी और द्वारावती को मोक्षदायिनी नगरियाँ माना जाता है । प्रातः काल के स्नान–ध्यानादि में भारत की समस्त प्रमुख नदियों का स्मरण किया जाता है ।

इन पुरियों और नदियों के स्मरण से सम्पूर्ण भारत का चित्र उपस्थित हो जाता है । संस्कृत के महाकवि कालिदास ने 'मेघदूत' में चित्रकूट से कश्मीर तक के प्राकृतिक दृश्यों का वर्णन किया है । हमारे देश में अनेक धर्म और सम्प्रदाय है किन्तु उनके मूल में एक गहरी एकता विद्यमान है । हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिक्ख आदि सभी भारतीय धर्मो में त्याग, तप एवम् संयम को समान रूप से महत्व दिया है । इस प्रकार भारत देश में अनेक विविधताओं के रहते हुए भी मूल में एकता है ।''

अथवा

५ निम्नांकित परिच्छेद का गुजराती में अनुवाद कीजिए : १०

''आज की युवा पीढ़ी पाश्चात्य सभ्यता की ओर आकर्षित हो रही है । और उनका अन्धानुकरण कर रही है । परिणाम स्वरूप वे नशीले द्रव्यों के सेवन के भी आदि हो रहे हैं । आज–कल ये दूषण बड़ी तीव्रता से बढ़ रहा है । इनके सेवन का कारण कुछ भी हो लेकिन इसका परिणाम मानव शरीर की क्षति है । इनका प्रचलन कई नामों से है यथा – अफीम, गाँजा, चरस, एल.एस.डी. हेरोइन कोकीन आदि ।

मादक द्रव्यों का सेवन सामाजिक बुराई है, कैंसर की तरह यह भी एक खतरनाक बीमारी है । इनके सेवन से मनुष्य की शारीरिक शक्ति का ह्रास, चरित्र हनन एवं नैतिक पतन होता है । पहले तो लोग शौक–शौक में इनका सेवन शुरु कर देते हैं लेकिन बाद में वे इसके आदि हो जाते हैं और अपना पूरा जीवन ही बरबाद कर लेते हैं ।''